सम्मेलन समितियां

संरक्षक

श्री राहुल सिंघी

निदेशक, पूर्णिमा ग्रुप, जयपुर, भारत

डॉ. महेश बुंदेले

प्रिंसिपल एवं निदेशक, पीसीई, जयपुर, भारत

कार्यक्रम अध्यक्ष

डॉ. पंकज ढेमला

प्रोफेसर एवं वाइस प्रिंसिपल, पीसीई, जयपुर, भारत

डॉ.गौतम सिंह

रजिस्ट्रार, पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर, भारत

समन्वयक

डॉ.शिल्पी जैन

प्रोफेसर, पीसीई, जयपुर, भारत ईमेल-

shilpi.jain@poornima.org

+91-9928279174

22 वर्षों का शोध एवं शैक्षणिक अनुभव

सह समन्वयक

डॉ. प्रवीण अग्रवाल

प्रोफेसर, आनंद-आईसीई, जयपुर, भारत

ईमेल: praveen.agarwal@anandice.ac.in

+91-8387894656

20 वर्षों का शोध और शैक्षणिक अनुभव

सपोर्टिंग समिति

- डॉ. निकिता जैन, हेड-CSE, PCE, जयपुर
- डॉ. प्राण नाथ दाधीच, हेड-सिविल, PCE, जयपुर
- इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार, हेड-CSE, आनंद-ICE, जयपुर
- डॉ. प्रकाश सिंह, SBAS, आनंद-ICE, जयपुर
- डॉ. गजेंद्र एस. राजावत, हेड-IT, PCE, जयपुर
- डॉ. अमोल सक्सेना, हेड-ADC, PCE, जयपुर
- इंजीनियर मनीष दुबे, CSE, PCE, जयपुर
- डॉ. बृजराज एस. सोलंकी, CSE, PCE, जयपुर
- डॉ. केशव देव गुप्ता, ADC, PCE, जयपुर
- डॉ. मयंक गुप्ता, सिविल, PCE, जयपुर
- डॉ. विशाल सिंघल, सिविल, PCE, जयपुर
- डॉ. अभिषेक शर्मा, CSE, PCE, जयपुर

सम्मेलन का स्थान

पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
आईएसआई-6, रीको इंस्टीट्यूशनल एरिया, सीतापुरा
जयपुर-302022, राजस्थान, भारत
www.poornima.org

एआईसीटीई-वाइब्रेंट एडवोकेसी फॉर एडवांसमेंट एंड न्यूचरिंग ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज इंस्टीट्यूशन (VAANI)

प्रायोजित 3-दिवसीय सम्मेलन

"सतत विकास के लिए गणितीय जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन"

27th to 29th नवंबर, 2025

ऑफ़लाइन मोड

द्वारा आयोजित

पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर
और
आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर

पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग

पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पूर्णिमा ग्रुप का अग्रणी संस्थान है जिसकी स्थापना 2000 में व्यावहारिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। 25 वर्षों की अपनी शानदार यात्रा में, PCE ने लगभग 1000 छात्रों के साथ समर्पण, दृढ़ता और समर्पण के साथ इंजीनियरिंग शिक्षा में मानक स्थापित किए हैं और नए शिखर पर पहुँचे हैं। इंजीनियरिंग के दस विशेषज्ञताओं (सीएसई, सीएसई (एआई), एआई और डीएस, सीएसई (साइबर सुरक्षा, सीएसई (क्षेत्रीय भाषा), ईसीई, ईई, एमई, सिविल और आईटी) का अध्ययन करने वाले 2,500 छात्र। 3.5 लाख वर्ग फुट से अधिक निर्मित क्षेत्र, उच्च योग्य संकाय, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, अच्छे प्लेसमेंट और उद्योग-आधारित पाठ्यक्रम के साथ, पीसीई अपनी स्थापना के बाद से जबरदस्त विकास के साथ दूसरों से आगे बढ़ रहा है। पीसीई 'सफलता एक मंजिल नहीं है, यह एक यात्रा है' के आदर्श वाक्य के साथ अपनी उत्कृष्ट यात्रा का नेतृत्व कर रहा है। पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर को 2017 से राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा की QIV रैंकिंग में दूसरा स्थान दिया गया है। पीसीई को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा प्रतिष्ठित A+ ग्रेड से मान्यता प्राप्त है,

वाणी कार्यक्रम के बारे में

•16 उभरते क्षेत्रों में अपने ज्ञान, अनुभव, नवाचारों और आविष्कारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करके शिक्षाविदों और कार्यरत पेशेवरों को अवसर प्रदान करके भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा में उच्च मानकों को बढ़ावा देना।

•22 भारतीय भाषाओं में उपर्युक्त क्षेत्रों में एक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आयोजित करके ज्ञान का आधार तैयार करना।

अपेक्षित परिणाम:

क) भारतीय भाषाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन।

ख) आगामी परियोजनाओं के लिए रोडमैप बनाने और शोध के लिए नए रास्ते खोलने की संभावनाओं पर विचार।

ग) भारतीय भाषाओं में सामग्री निर्माण।

घ) संस्थानों और उद्योग के बीच सहयोग।

ङ) भारतीय भाषाओं में ज्ञान का आधार बनाना और भारतीय भाषाओं में नवीनतम विकास को शामिल करते हुए नवीनतम तकनीकी ज्ञान के खजाने के निर्माण को प्रोत्साहित करना।

च) तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, पीसीई की स्थापना जुलाई 2000 में हुई थी। कंप्यूटर इंजीनियरिंग में कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के शैक्षणिक क्षेत्रों को मिलाया जाता है, जो हमारे इंजीनियरिंग स्नातकों को कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के अपने ज्ञान को मिलाकर बनाने में सक्षम बनाता है। विभाग दो स्नातक कार्यक्रम प्रदान कर रहा है, अर्थात् बी.टेक. (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) और बी.टेक. (कंप्यूटर इंजीनियरिंग (क्षेत्रीय पाठ्यक्रम))। कंप्यूटर इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के स्नातकों को विविध हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के डिजाइन, विकास, परीक्षण और अनुसंधान में प्रतिष्ठित, उच्च-भुगतान वाली नौकरियों के लिए तैयार किया जाता है।

सम्मेलन के बारे में

पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर 27-29 नवंबर, 2025 को जयपुर, भारत में आयोजित होने वाले गणितीय जीव विज्ञान और सतत विकास के लिए पारिस्थितिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICMBESD-25) में आपका स्वागत करते हुए प्रसन्न है। ICMBESD-25 प्रतिभागियों को सतत विकास के लिए गणितीय जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी के व्यापक ज्ञान से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक समझ और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है, जो सतत विकास के लिए गणितीय जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी में नवीनतम प्रगति और नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करता है।

यह सम्मेलन एआईसीटीई-वाणी योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 22 क्षेत्रीय भाषाओं में उभरते तकनीकी क्षेत्रों में सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाओं जैसे आयोजनों के लिए एआईसीटीई-अनुमोदित संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह योजना क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा में उच्च मानकों को बढ़ावा देने के लिए एआईसीटीई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शिक्षाविदों और कार्यरत पेशेवरों को 16 उभरते क्षेत्रों में अपने ज्ञान, अनुभव, नवाचारों और आविष्कारों को साझा करने के अवसर प्रदान करके, एआईसीटीई संस्थानों को क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान का आधार बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यह सम्मेलन व्यक्तियों के लिए चर्चाओं और ज्ञान-साझाकरण गतिविधियों में भाग लेकर क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा की उन्नति में योगदान देने के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करता है।

सम्मेलन के उद्देश्य

- स्वास्थ्य सेवा और मेड-टेक के विषयगत क्षेत्र में नई तकनीकों, दृष्टिकोणों, एल्गोरिदम और विधियों से प्रतिभागियों को अपडेट करना।
- गणितीय जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी में नवीनतम रुझानों से प्रतिभागियों को परिचित कराना
- जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी में गणितीय मॉडल को लागू करने के लिए एक उपकरण के रूप में MATLAB से प्रतिभागियों को परिचित कराना।
- विभिन्न जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी समस्याओं में स्थिरता चुनौतियों का समाधान करने में गणितीय मॉडलिंग के अनुप्रयोगों का पता लगाना।
- संक्रामक रोगों की प्रसार दर, चिकित्सा इमेजिंग, जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों जैसे विशिष्ट अनुप्रयोगों के केस स्टडी को कवर करना।

सम्मेलन कार्यक्रम

तारीख	दिन	समय
27/11/ 2025	गुरुवार	सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
28/11/ 2025	शुक्रवार	
29/11/ 2025	शनिवार	

प्रतिभागी

प्रतिभागियों को अनिवार्यतः संकाय/पी.जी. छात्र/शोध अध्येता/उद्योग से कार्यरत पेशेवर होना चाहिए।

शोध-पत्र आमंत्रित किए गए हैं

छात्र, संकाय सदस्य, शोधार्थी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अधिकारी सम्मेलन के विषय पर अपना एक-पृष्ठ सार हिंदी/अंग्रेजी में प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रकाशन विवरण

सभी स्वीकृत सार-पत्र आईएसबीएन नंबर के साथ सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किए जाएंगे। सभी शोध-पत्र मूल होने चाहिए और उन्हें अन्य पत्रिकाओं या सम्मेलनों में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। उल्लिखित सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्रों की सहकर्मी समीक्षा की जाएगी और चयनित शोध-पत्रों को सम्मेलन की कार्यवाही (आईएसबीएन-इंडेक्स) में प्रकाशित किया जाएगा।

कोई पंजीकरण शुल्क नहीं

प्रतिभागियों को कोई टीए/डीए प्रदान नहीं किया जाएगा

पंजीकरण प्रक्रिया

पंजीकरण लिंक: https://atalacademy.aicte-india.org/login

भागीदारी: पहले आओ पहले पाओ के आधार पर

CONFERENCE COMMITTEES

PATRONS

Ar. Rahul Singhi
Director, Poornima Group, Jaipur, India
Dr. Mahesh Bundele
Principal & Director, PCE, Jaipur, India

PROGRAM CHAIRS

Dr. Pankaj Dhemla
Professor & Vice Principal, PCE, Jaipur, India
Dr.Gautam Singh
Registrar, Poornima College of Engineering, Jaipur, India

COORDINATOR

Dr.Shilpi Jain
Professor, PCE, Jaipur, India
Email-shilpi.jain@poornima.org
+91-9928279174
22 Years of Research and Academic Experience

CO-COORDINATOR

Dr. Praveen Agarwal
Professor, Anand-ICE, Jaipur, India
E-mail: praveen.agarwal@anandice.ac.in
+91-8387894656
20 Years of Research and Academic Experience

ORGANIZING COMMITTEE

- Dr. Nikita jain, Head-CSE, PCE, Jaipur
- Dr. Pran Nath Dadhich, Head-Civil, PCE, Jaipur
- Er. Dharmendra Kumar, Head-CSE, Anand-ICE, Jaipur
- Dr.Prakash Singh, SBAS, Anand-ICE, Jaipur
- Dr.Gajendra S. Rajawat , Head-IT, PCE, Jaipur
- Dr. Amol Saxena, Head-ADC, PCE, Jaipur
- Er. Manish Dube, CSE, PCE, Jaipur
- Dr.Brijraj S. Solanki, CSE, PCE, Jaipur
- Dr.Keshav Dev Gupta, ADC, , PCE, Jaipur
- Dr. Mayank Gupta, Civil, PCE, Jaipur
- Dr. Vishal Singhal, Civil, PCE, Jaipur
- Dr. Abhishek Sharma, CSE, PCE, Jaipur

VENUE OF THE CONFERENCE

Poornima College of Engineering,
ISI-6, RIICO Institutional Area,
Sitapura
Jaipur-302022, Rajasthan, India
www.poornima.org

AICTE-Vibrant Advocacy for Advancement and Nurturing of Indian Languages Institution (VAANI) Sponsored 3-Days Conference on "National Conference on Mathematical Biology and Ecology for Sustainable Development"

27th to 29th November, 2025

Offline Mode

ORGANISED BY

Poornima College of Engineering, India
and
Anand International College of Engineering, Jaipur

POORNIMA COLLEGE OF ENGINEERING

Poornima College of Engineering is the flagship institute of Poornima Group established in 2000 to impart practical technical education. In its glorious journey of 25 years, PCE has set benchmarks and reached new heights in engineering education with dedication, perseverance and commitment with around 1000 students. 2,500 students studying ten specializations of engineering (CSE, CSE (AI), AI & DS, CSE (Cyber Security, CSE (Regional Language), ECE, EE, ME, Civil and IT). With over 3.5 lakh sq. ft. of built-up area, highly qualified faculty, state-of-the-art infrastructure, good placements and industry-based curriculum, PCE is moving ahead of others with tremendous growth since its inception. PCE is leading its outstanding journey with the motto of 'Success is not a destination, it's a journey'. Poornima College of Engineering, Jaipur has been ranked 2nd in the QIV ranking of Rajasthan Technical University, Kota since 2017. PCE is accredited with the prestigious A+ grade by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC),

ABOUT VAANI PROGRAM

- **To promote high standards in technical education in Indian languages by providing opportunities to academicians and working professionals by providing a platform to share their knowledge, experience, innovations and inventions in 16 emerging areas.**
- **To create knowledge base by organizing a conference/seminar/workshop in the above mentioned areas in 22 Indian languages.**

Expected Outcomes:

a) Publication of research papers in Indian languages.

b) To explore possibilities of creating roadmap for upcoming projects and opening new avenues for research.

c) Content creation in Indian languages.

d) Collaboration between institutions and industry.

e) To create a knowledge base in Indian languages and encourage creation of a repository of latest technical knowledge incorporating latest developments in Indian languages.

f) To promote Indian languages in technical education.

DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING

The Department of Computer Science & Engineering, PCE was established in July 2000. Computer Engineering combines the academic fields of Computer Science and Electronics Engineering, enabling our engineering graduates to combine their knowledge of computer hardware and software. The department is offering two undergraduate programs, namely B.Tech. (Computer Engineering) and B.Tech. (Computer Engineering (Sectoral Course)). Graduates of the Computer Engineering programs are prepared for prestigious, high-paying jobs in the design, development, testing, and research of diverse hardware and software.

ABOUT CONFERENCE

Poornima College of Engineering, Jaipur is pleased to welcome you to the International Conference on Mathematical Biology and Ecology for Sustainable Development (ICMBESD-25) to be held on 27-29 November 2025 in Jaipur, India. ICMBESD-25 is designed to equip participants with a comprehensive knowledge of mathematical biology and ecology for sustainable development. The program aims to bridge the gap between theoretical understanding and practical application, focusing on the latest advances and innovations in mathematical biology and ecology for sustainable development.

The conference is being organized under the AICTE-VAANI scheme, which aims to provide financial assistance to AICTE-approved institutions for organizing events such as conferences, seminars and workshops in emerging technical areas in 22 regional languages. The scheme reflects AICTE's commitment to promote high standards in technical education in regional languages. By providing opportunities for academics and working professionals to share their knowledge, experience, innovations and inventions in 16 emerging areas, AICTE is encouraging institutions to build a knowledge base through events organised in regional languages. The conference serves as a valuable platform for individuals to contribute to the advancement of technical education in regional languages by participating in discussions and knowledge-sharing activities.

OBJECTIVE OF THE CONFERENCE

- To update participants on new technologies, approaches, algorithms and methods in the thematic area of healthcare and med-tech.
- To acquaint participants with the latest trends in mathematical biology and ecology
- To acquaint participants with MATLAB as a tool for implementing mathematical models in biology and ecology.
- To explore applications of mathematical modelling in addressing sustainability challenges in various biology and ecology problems.
- To cover case studies of specific applications such as prevalence rates of infectious diseases, medical imaging, AI applications in biology and ecology areas.

SCHADULE OF CONFERENCE

Date	Day	Time
27/11/ 2025	Thursday	9:00 AM to 4:00 PM
28/11/ 2025	Friday	
29/11/ 2025	Saturday	

PARTICIPAINTS

Participants should strictly be Faculties/ PG Students /Research Fellows/Working Professionals from Industry.

CALL FOR PAPERS

Students, faculty members, research scholars, scientists, and Industrial executives are welcome to submit their one-page Abstract on the theme of the Conference in Hindi/English.

PUBLICATION DETAILS

All accepted abstracts will be published in the conference proceedings with an ISBN No. All papers must be original and should not have been submitted to other journals or conferences. The presented papers at the mentioned conference will undergo a peer-review process, and the selected papers will be published in Conference Proceedings (ISBN-indexed).

NO REGISTRATION FEES

No TA/DA will be provided to the participants

REGISTRATION PROCESS

Registration Link: https://atalacademy.aicte-india.org/login

Participation: on First Come First Serve basis